Need to accord the status of ?Jeevant Nadi? to Narmada River- Laid

श्री दर्शन सिंह चौधरी **(**होशंगाबाद**) :** भारत सरकार नर्मदा नदी को एक जीवित इकाई मानते हुए जीवंत नदी का दर्जा देती है,तो इसके संरक्षण की जवाबदेही समाज और सरकार दोनों की होगी । जिससे नर्मदा मैया में प्रदूषण कम होगा तटों के किनारे प्राकृतिक खेती को बढ़ावा मिलेगा । नर्मदा मैया के किनारे पेड़ काटने, रेत उत्खनन करने व प्रदूषण करने पर जुर्माना तय होगा । नर्मदा तटों पर पौधारोपण होगा, नर्मदांचल लोक बनेगा, सौंदर्य कारण होगा, घाटों का जीर्णोद्धार होगा, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा मिलेगा, जो पर्यावरण संरक्षण और जल संसाधनों के प्रबंधन में मदद करेगा । जिससे 1. जल प्रदूषण कम होगा । 2. मिट्टी का क्षरण रोकेगा । 3. जलवायु परिवर्तन को कम करेगा । 4. जैव विविधता को बढ़ावा देगा । 5. स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार के अवसर प्रदान करेगा । 6. शहरों के गंदे नालों का प्रदूषित पानी बिना ट्रीटमेंट के नर्मदा मैया में नहीं जाएगा । भारत सरकार की जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण एवं जीव संरक्षण से संबंधित योजनाएं नर्मदा मैया एवं उनकी सहायक नदियों को जीवंत रखने का कार्य करेगी ।